www.wagadsandesh.com

वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-2 | अंक-41 | सागवाड़ा, मंगलवार, 25 अक्टूबर, 2022 | भाषा : हिन्दी ई-पेपर | अवधिः (वार्षिक) | मूल्य-10 रु. | पृष्ठ-8

सागवाडा में जमीन खरीदने का है प्लान तो रखें सावधानी!

* जमीन के टाइटल, दस्तावेजों का वेरिफिकेशन और जमीन खरीद के लिए अप्रुवल और परमिशन की जानकारी के बाद ही करें ख़रीदारी
* जमीन खरीदते वक्त उस इलाके के स्थानी कानून/नियमों की जानकारी होना जरूरी है ताकि भूमि खरीदते वक्त किसी तरह के किसी मुश्किल का सामना न करना पड़े
* यह जांच करें कि अनुमोदित योजनाएं, आवश्यक अनुमतियां और एनओसी सही हैं या नहीं

सागवाडा। हर कोई अपनी ज़मीन और अपना घर चाहता है। त्योहार के इस दौर में हर कोई व्यक्ति कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट करने की सोच बनाता है। सागवाडा और उसके आस पास के क्षेत्रों में रियल एस्टेट इंडस्ट्रीज़ काफ़ी फल फूल भी रही है कई कॉलोनियां कट चुकी है और कई नई कॉलोनियां तैयार है। ज़मीन या घर ख़रीदने में हमारी जीवन भर की मेहनत की पूंजी लगा देते हैं ऐसे में वागड़ संदेश आपको आगाह कर रहा है कि प्लॉट को या उस घर को ख़रीदने से पहले ये ज़रूर देख लें कि क्या वह प्लान अप्रूवल है या वह जगह किसी विवादों में तो नहीं है। हर शख्स का सपना होता है कि उसके पास अपनी प्रॉपर्टी हो। फ्लैट्स के इस दौर में ऐसे बहुत से लोग हैं जो कि अपनी जमीन खरीद कर घर बनाना चाहते हैं।ताकि अपने पसंद के हिसाब से अपना घर बनवा सकें। अगर

आप भी जमीन खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो ध्यान रखें कि इसके लिए आपको बहुत सावधानी बरतनी होगी। जमीन खरीदते वक्त कई बातों की गहनता से जांच करनी चाहिए नहीं तो आगे चलकर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कई दलाल शहर में घूमते हैं जो अपने कमीशन के चक्कर में आपको ऐसी जगह पकड़ा दें जिसमें इन्वेस्ट कर के आप बाद में कोर्ट के चक्कर लगाते रहे है। जिस कॉलोनी में भूखंड है वह पूरी तरह से वैधानिक है ऐसे दस्तावेजों का निरीक्षण किया जाना ज़रूरी है। कॉलोनी द्वारा सड़क बिजली एवं पानी की सुविधा के लिए विभागीय कार्रवाई पूरी की या नहीं की इसकी जानकारी नगर पालिका से ली जानी चाहिए। कॉलोनी के भूमि रूपांतरण के पूरे दस्तावेजों का सत्यापन संबंधित सरकारी विभाग से करवाएं। सागवाडा शहर में हाल ही में कडाणा विभाग की भूमिका प्रकरण सबके सामने है। इस ख़रीद फ़रोख़्त के मामले में कई लोग जेल के चक्कर काट चुके हैं तो कई लोग अब भी पुलिस की जाँच के दायरे में हैं।

ऐसे में ज़मीन पर लौट किया मकान ख़रीदने से पूर्व कॉलोनी भूखंड के अलावा अगर बने बनाए मकान / बंगला/ फ्लैट बेच रहा है तो उसके पास बिल्डिंग लाइसेंस है अथवा नहीं यह कंफर्म जरूर करें। भूखंड खरीदने से पहले कॉलोनी का पूरे प्लान का परीक्षण कर ले कहीं ऐसा तो नहीं हो कि कच्ची बस्ती नियमन में आवंटित भूखंडों को भी कॉलोनी में शामिल कर लिए गए हो। नगरपालिका के स्वामित्व की भूमि पर सड़क तो नहीं है। ऐसे कई जानकारियां ज़मीन ख़रीदने से पूर्व कर ली जानी चाहिए ताकि बाद में आपको किसी क़ानूनी परेशानी का सामना करना पड़े।

भूमि रिकॉर्ड की जानकारी

आप जिस जमीन को खरीद रहे हैं, उसका रिकॉर्ड खंगालें। खेती की जमीन ले रहे हैं तो इसके डॉक्यूमेंट्स की जानकारी राज्य सरकार के राजस्व विभाग से मिल जाएगी। जमीन का खसरा नंबर पता करें। खसरा नंबर से आपको जमीन से जुड़ी सभी जानकारियां मिल जाएंगी। यदि आप घर बनाने के लिए जमीन खरीद रहे हैं तो पहले पता करें कि जहां जमीन खरीद रहे हैं वहां रेसिडेंशियल परमीशन है या नहीं। अगर प्रॉपर्टी कमर्शियल या इंडस्ट्रियल है तो वहां जमीन न खरीदें क्योंकि वहां आप घर नहीं बना सकेंगे।

दीपावली पर हुआ लक्ष्मी पूजन, सुख समृद्धि की कामना

सागवाड़ा। कार्तिक मास की अमावस्या की अंधेरी रात सोमवार को दीपों की रोशनी व पटाखों की सतरंगी रोशनी से जगमगा उठी। दीपोत्सव पर सुख समृद्धि की कामना के साथ दीपावली पर घरों में गणेशजी, माता लक्ष?मी, सरस्वती और कुबेर जी महाराज का पूजन किया गया। रोशनी से सजे घरों और दुकानों में दीपक रखकर लोगों ने माता लक्ष्मी ?को आमंत्रित कर आशीर्वाद मांगा। इसके बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा। दीपावली वाले दिन बाजार में दिनभर रौनक रही। यह रौनक तीन से चार दिन पहले से ही दिखने लगी थी, लेकिन जिन लोगों ने खरीदी नहीं की थी वह दीपावली वाले दिन उत्साह और उमंग के साथ खरीदी करते हुए दिखे।

दीपावली के दिन सुबह से ही बच्चे और युवा मौज मस्ती में जुट गए। नए-नए कपड़े पहनकर सभी के चेहरे खुशियों से खिले हुए दिखे। दीपावली वाले दिन चारों ओर रंग-बिरंगी रोशनी अपनी खास छटा बिखेर रही थी। माता लक्ष्मी को प्रसन्ना करने और उन्हें अपने घरों में आमंत्रित करने घर-आंगन में गोबर लीपने, रंगोली सजाने से लेकर घरों में रंग-बिरंगी लाइटों की झालरों की पूरा शहर रोशनी से नहाया हुआ नजर आया।

2 हजार कॉलेज स्टूडेंट को स्कॉलरशिप का इंतजार

बजट नहीं मिलने से 5 करोड़ की स्कॉलरशिप अटकी

डूंगरपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से मिलने वाली उत्तर मैट्रिक स्कॉलरशिप का भुगतान कॉलेज स्टूडेंट को नहीं हो सका है। ये राशि करीब 5 करोड़ रुपए की है। स्कॉलरशिप नहीं मिलने से परेशान कॉलेज स्टूडेंट दर-दर की ठोकरे खाने को मजबूर हैं।सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से कॉलेज स्टूडेंट को उत्तर मैट्रिक स्कॉलरशिप दिए जाने का प्रावधान है। जिसके चलते डूंगरपुर जिले में हर साल एसटी वर्ग के करीब 27 हजार स्टूडेंट को स्कॉलरशिप दी जाती है, लेकिन डूंगरपुर जिले में एसटी वर्ग के कॉलेज स्टूडेंट को वित्तीय वर्ष की स्कॉलरशिप के भुगतान का इंतजार है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के डिप्टी डायरेक्टर अशोक शर्मा ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में सभी वर्गों के 26 हजार 747 स्टूडेंट की स्कॉलरशिप के आवेदन स्वीकृत करते हुए उनके बिल बनाए गए थे। इसमें से एसटी वर्ग के 2 हजार स्टूडेंट का करीब 5 करोड़ की स्कॉलरशिप का पिछले 6 माह से भुगतान बकाया जा रहा है। विभाग के डिप्टी डायरेक्टर अशोक शर्मा ने एसटी वर्ग के स्टूडेंट को स्कॉलरशिप नहीं मिलने के पीछे सबसे बड़ा कारण एक तो बजट का अभाव है। वहीं, दूसरा कारण राज्य सरकार द्वारा किया गया सिंगल नोडल अकाउंट का प्रावधान है। उन्होंने बताया की पहले कोष कार्यालय से स्कॉलरशिप का भुगतान किया जाता था, लेकिन सरकार ने अब भुगतान को सेंटरलाइज करते हुए सिंगल नोडल अकाउंट का प्रावधान कर दिया है।

15 दिन में 2 ग्रहण-आज सूर्य ग्रहण, इसके बाद 8 नवंबर को लगेगा साल का आखिरी चंद्र ग्रहण

डूंगरपुर। आज कार्तिक अमावस्या पर साल का आखिरी सूर्य ग्रहण होगा। जो कि खत्म होते वक्त देश के उत्तर-पश्चिमी और बीच के हिस्सों में कुछ घंटों के लिए दिखेगा। इसका अशुभ असर देश पर रहेगा और सूतक भी होगा। इसलिए पूरे दिन पूजा पाठ और धार्मिक काम नहीं किए जा सकेंगे। सूर्य ग्रहण की वजह से ही गोवर्धन पूजा एक दिन आगे बढ़ गई हैं। जो कि 26 को मनेगी।अमावस्या पर होने वाले इस सूर्य ग्रहण के 15 दिन बाद यानी 8 नवंबर को कार्तिक महीने की पूर्णिमा पर साल का आखिरी चंद्र ग्रहण भी लगेगा जो कि पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। ये ग्रहण भी भारत में दिखेगा। इसलिए ये खगोलीय नजरिये से खास तो रहेगा साथ ही धार्मिक रूप से इसका महत्व रहेगा। इस पर्व पर चंद्र ग्रहण करीब 40 से 45 मिनट तक रहेगा। इसका असर भी देव दिवाली पर रहेगा। ऐसी खगोलिय घटना पिछले साल मई-जून में भी हुई थी, लेकिन सूर्य और चंद्र ग्रहण देश में नहीं दिखे थे।

राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ते अपराध पर कांग्रेस सरकार को घेरेगी बीजेपी

- गहलोत सरकार के खिलाफ BJP का प्लान तैयार
- 15 नवम्बर से पूरे राजस्थान में जन आक्रोश रैली करेगी BJP

जयपुर। बीजेपी ने कांग्रेस को घेरने की तैयारी कर ली है। कांग्रेस सरकार के 4 साल पूरे होने पर बीजेपी जन आक्रोश रैली करेगी। बीजेपी का यह कार्यक्रम पूरे प्रदेश में लगभग एक महीना चलेगा। सरकार के 4 साल पर घेरने की प्लानिंग बीजेपी के प्रदेश पदाधिकारियों के स्तर पर चल रही थी। इसका प्लान तैयार किया गया था। जिसे 21 अक्टूबर को दिल्ली में हुई कोर कमेटी की बैठक में मंजूरी मिल गई है।इसके तहत बीजेपी 15 नवम्बर से पूरे राजस्थान में जन आक्रोश रैली करेगी। इसमें राजस्थान की तमाम 200 विधानसभा क्षेत्र में सरकार के खिलाफ रैली और आंदोलन होंगे । दिवाली के बाद इस कार्यक्रम को लेकर समितियां बनना और जिम्मेदारियां तय होना शुरू हो जाएगा। बीजेपी 15 नवम्बर से प्रदेशभर में जन आक्रोश रैली शुरू करेगी। इसमें लगातार विधानसभा, जिला और संभाग स्तर पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन होंगे। इसके बाद 17 दिसम्बर या उसके आसपास प्रदेश स्तर का एक बड़ा कार्यक्रम होगा। इसमें सरकार को घेरा जाएगा। इसमें जेपी नड्डा, अमित शाह सहित प्रदेश की पूरी कोर कमेटी शामिल होगी। इस कार्यक्रम से बीजेपी सरकार को घेरने के साथ-साथ अपनी पार्टी में एकजुटता का मैसेज भी देगी।21 अक्टूबर को हुई कोर कमेटी की बैठक में राजस्थान के तमाम नेताओं को हाईकमान की ओर से निर्देशित किया गया है कि वे राजस्थान में अपना एकमुखी चेहरा पेश करें। जहां भी कोई प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम हो तो उसमें प्रदेश के तमाम वरिष्ठ नेता एकसाथ नजर आएं। सरकार को घेरने के इस कार्यक्रम में भी बीजेपी अपने तमाम प्रमुख नेताओं के साथ अपना एकमुखी चेहरा लेकर उतरेगी। इससे सरकार को घेरने के साथ-साथ खुद की एकजुटता का मैसेज भी दिया जाएगा।

26 नवंबर को बुध राशि बदलेगा

तुला राशि में शुक्र के साथ होने से लक्ष्मी नारायण योग बनेगा

डूंगरपुर। बुध ग्रह, बुधवार को ही राशि बदलकर तुला में आ जाएगा। ये ग्रह अपनी राशि छोड़कर शुक्र की राशि में 11 नवंबर तक रहेगा। बुध को गणित, कानून, संचार, वाणिज्य, त्वचा, दवा, लेखन, तर्क शास्त्र आदि का कारक माना गया है। बुध की सूर्य और शुक्र के साथ मित्रता है। सूर्य ग्रह पहले ही 17 अक्टूबर को तुला राशि में आ गया है।सूर्य 16 नवंबर तक तुला राशि में ही रहेगा। वहीं, शुक्र भी तुला राशि में ही है। ऐसे में बुध और शुक्र की युति शेयर मार्केट और अन्य व्यापार से जुड़े लोगों के लिए अच्छे नतीजे ला सकती है। बुध को वाणी का भी कारक ग्रह माना गया है। शुक्र को ज्योतिष शास्त्र में लग्जरी लाइफ और मनोरंजन का कारक माना जाता है। पुरी के ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि बुध जब-जब राशि बदलता है। तब-तब देश में बड़े आर्थिक बदलाव होते हैं। अभी होने वाले बुध के राशि परिवर्तन से व्यापार, सामाजिक दृष्टिकोण आदि में वृद्धि का कारक होगा। जब बुध और शुक्र एक साथ आते हैं, तो लक्ष्मी नारायण योग भी बनता है। इस योग को बहुत ही शुभ माना गया है। जिस कुंडली में ऐसा योग बनता है। वो व्यक्ति अचानक धनवान हो जाता है। ऐसे व्यक्ति अपनी प्रतिभा, कला और ज्ञान से धन और मान सम्मान प्राप्त करते हैं। लक्ष्मी नारायण योग व्यक्ति के वैभव में वृद्धि करता है।बुध के राशि परिवर्तन का असर सभी राशियों पर पड़ेगा।